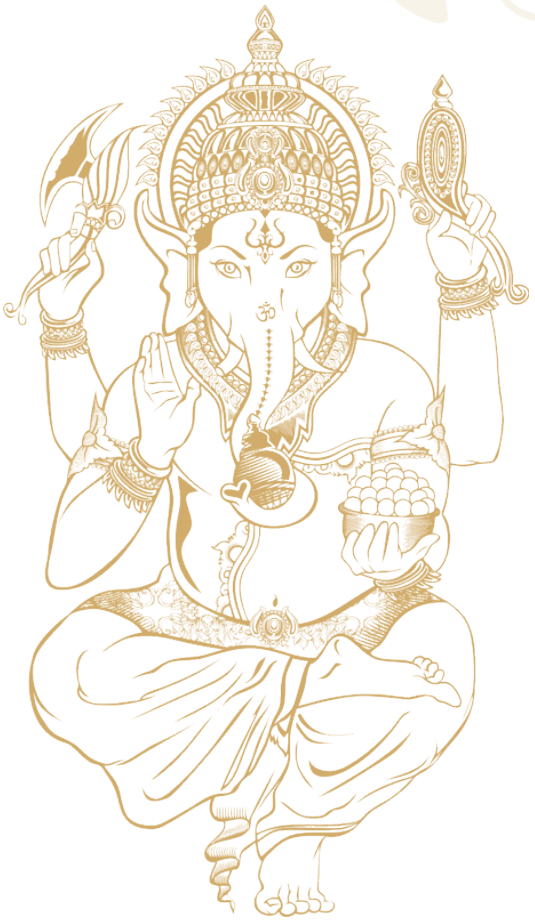

Mr.

14 Mar 2026

12:29 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121581504

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/03/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:29:00 घंटे**
इष्ट	15:23:19 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:20:16 घंटे
वेलान्तर	-00:09:13 घंटे
साम्पातिक काल	23:47:55 घंटे
सूर्योदय	06:19:40 घंटे
सूर्यास्त	18:16:41 घंटे
दिनमान	11:57:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:28:41 कुम्भ
लग्न के अंश	14:17:40 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	परिघ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:17:40	320:59:19	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	29:28:41	00:59:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	01:30:40	12:22:35	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	14:59:20	00:47:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	16:27:53	00:40:21	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:52:43	00:00:37	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	15:31:16	01:14:28	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:07:00	00:07:25	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:41:50	00:01:38	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:41:50	00:01:38	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:51:51	00:01:55	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:18:34	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:38:32	00:01:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	02:29:13	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

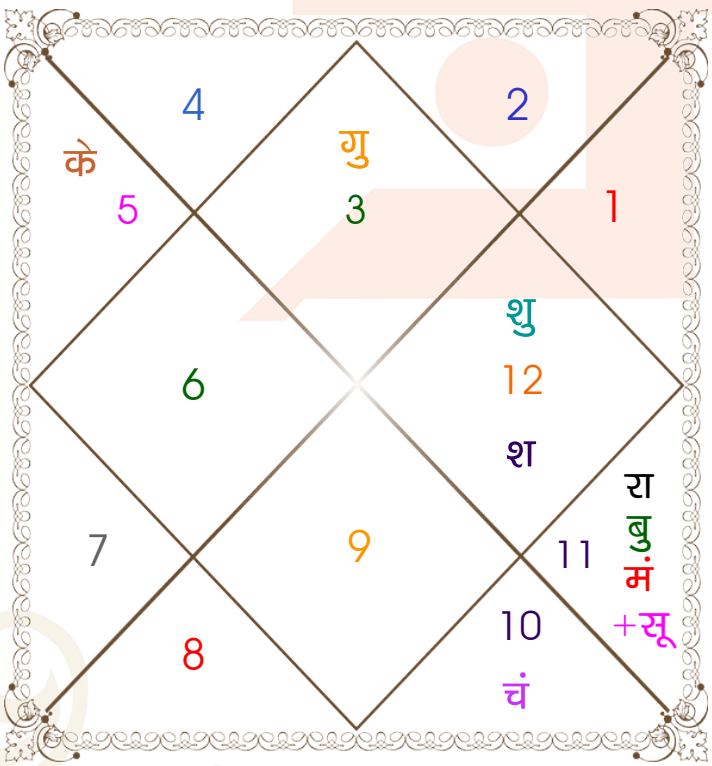

चन्द्र कुंडली

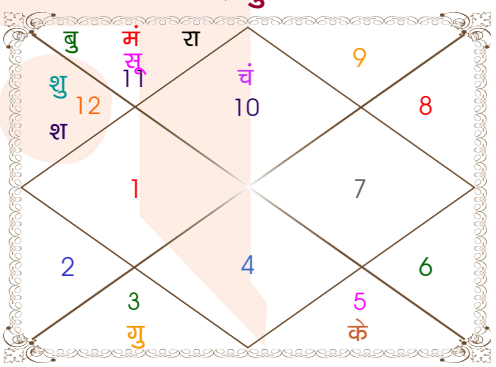

नवमांश कुंडली

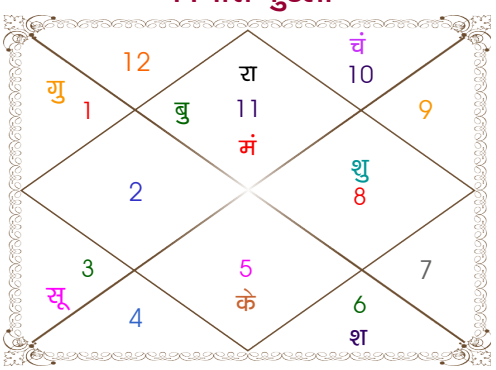

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 9 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/03/2026		07/01/2030		08/01/2040		08/01/2047		07/01/2065	
07/01/2030		08/01/2040		08/01/2047		07/01/2065		07/01/2081	
	00/00/0000	चंद्र	08/11/2030	मंगल	05/06/2040	राहु	20/09/2049	गुरु	25/02/2067
	00/00/0000	मंगल	09/06/2031	राहु	23/06/2041	गुरु	13/02/2052	शनि	08/09/2069
	00/00/0000	राहु	08/12/2032	गुरु	30/05/2042	शनि	20/12/2054	बुध	14/12/2071
	14/03/2026	गुरु	09/04/2034	शनि	09/07/2043	बुध	09/07/2057	केतु	19/11/2072
गुरु	14/11/2026	शनि	08/11/2035	बुध	05/07/2044	केतु	27/07/2058	शुक्र	21/07/2075
शनि	27/10/2027	बुध	08/04/2037	केतु	01/12/2044	शुक्र	27/07/2061	सूर्य	09/05/2076
बुध	01/09/2028	केतु	07/11/2037	शुक्र	01/02/2046	सूर्य	21/06/2062	चंद्र	08/09/2077
केतु	07/01/2029	शुक्र	09/07/2039	सूर्य	08/06/2046	चंद्र	21/12/2063	मंगल	14/08/2078
शुक्र	07/01/2030	सूर्य	08/01/2040	चंद्र	08/01/2047	मंगल	07/01/2065	राहु	07/01/2081

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
07/01/2081		08/01/2100		08/01/2117		09/01/2124		09/01/2144	
08/01/2100		08/01/2117		09/01/2124		09/01/2144		00/00/0000	
शनि	11/01/2084	बुध	06/06/2102	केतु	06/06/2117	शुक्र	10/05/2127	सूर्य	27/04/2144
बुध	20/09/2086	केतु	04/06/2103	शुक्र	06/08/2118	सूर्य	10/05/2128	चंद्र	27/10/2144
केतु	30/10/2087	शुक्र	03/04/2106	सूर्य	12/12/2118	चंद्र	08/01/2130	मंगल	04/03/2145
शुक्र	29/12/2090	सूर्य	08/02/2107	चंद्र	13/07/2119	मंगल	10/03/2131	राहु	27/01/2146
सूर्य	11/12/2091	चंद्र	09/07/2108	मंगल	09/12/2119	राहु	10/03/2134	गुरु	15/03/2146
चंद्र	12/07/2093	मंगल	07/07/2109	राहु	27/12/2120	गुरु	08/11/2136		00/00/0000
मंगल	21/08/2094	राहु	24/01/2112	गुरु	03/12/2121	शनि	09/01/2140		00/00/0000
राहु	26/06/2097	गुरु	01/05/2114	शनि	12/01/2123	बुध	09/11/2142		00/00/0000
गुरु	08/01/2100	शनि	08/01/2117	बुध	09/01/2124	केतु	09/01/2144		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 9 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।